जलकुंभी

स्रोत: डाउन टू अर्थ

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (National Green Tribunal- NGT) ने कहा है कि जलकुंभी को नष्ट करने के लिये रासायनिक बायोएंज़ाइम **"ड्रैनजाइम"** का उपयोग करने के लिये केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) **और** भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान, **लखनऊ** द्वारा वैज्ञानिक अनुमोदन आवश्यक है।

- **ड्रैनज़ाइम** को उपयोग के लिये तभी अनुमति दी जाएगी जब यह पुष्टि हो जायेगी कि जल निकाय के पारिस्थितिक संतुलन पर इससे कोई हानिकारक प्रभाव नहीं पड़ रहा है।
- शहरी स्थानीय निकायों ने मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिये नदियों और झीलों पर जैव-एंज़ाइम या प्राकृतिक रसायनों का छिड़काव करने का निर्णय लिया।
- [illegible]
  - यह एक जलीय खरपतवार है जो भारत सहित पूरे दक्षिण एशिया के जलीय निकायों में आम है।
- **ड्रैनज़ाइम** एक एंज़ाइम-आधारित उत्पाद है जिसका उपयोग जलकुंभी के निदान के लिये किया जाता है।

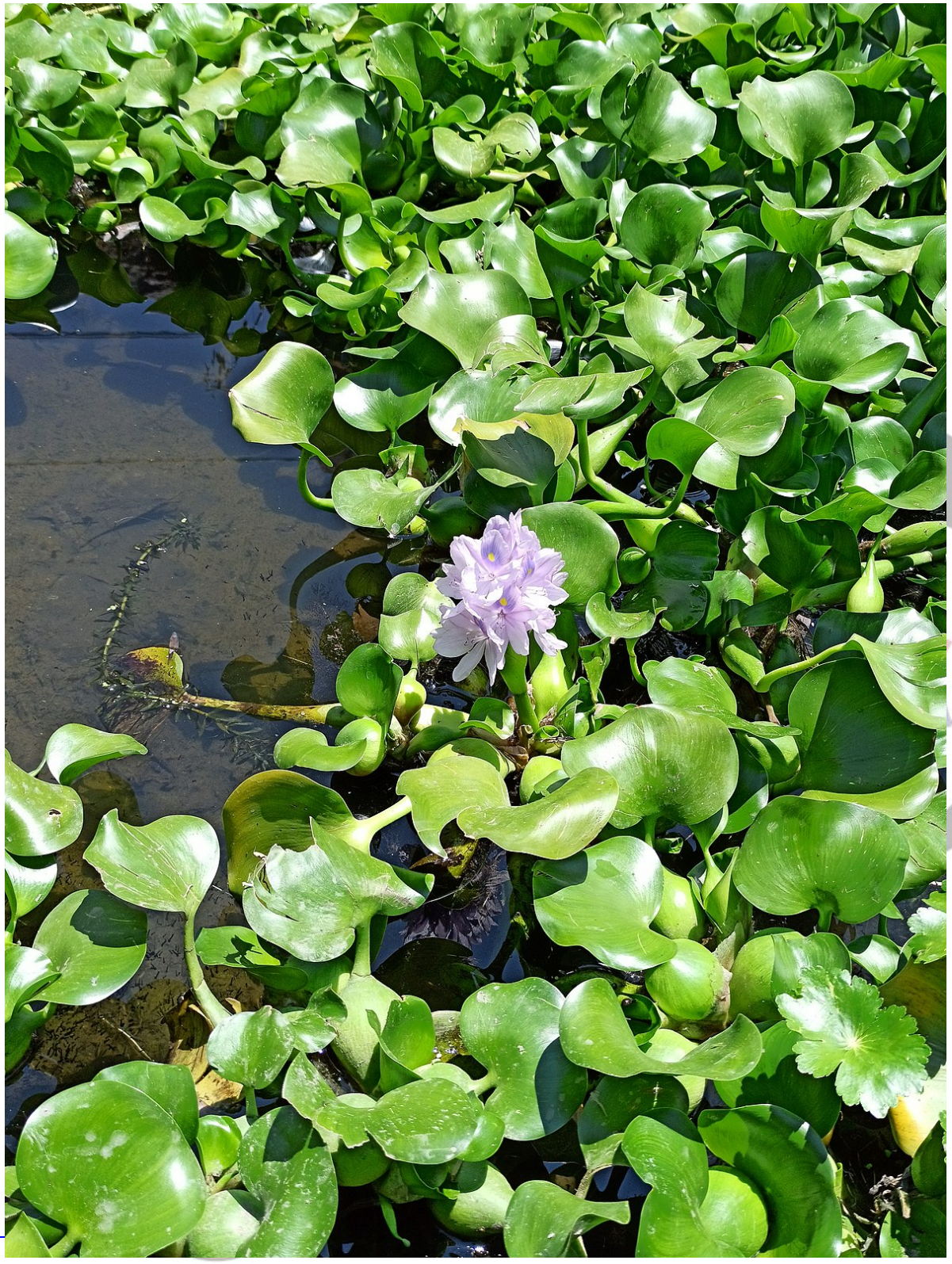

//

और पढ़ें: जलकुंभी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/water-hyacinth-1